वी.यू. – शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली पर संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत वेटरनरी कॉलेज में राष्ट्रीय कृषि उच्च तकनीकी परियोजना के सौजन्य से दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ प्रोफेसर एस.पी. तिवारी कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में, डॉ. कपिल देव मिश्रा माननीय कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में, वर्चुअल मोड से जुड़े विशिष्ट अतिथि. डॉ. आर.सी. अग्रवाल डी.डी.जी. एजुकेशन आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली, डॉ. जी.पी. मिश्रा, डॉ. सुदीप, नई दिल्ली, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, नई दिल्ली, डॉ. आर.सी. गोयल साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी एवं अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत पुष्प, शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। यह कार्यक्रम क्रमश 2 और 3 फरवरी 23 को विश्वविद्यालय के एजुकेशन सिस्टम को ऑनलाइन किए जाने के संबंध में तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने की मंशा से किया जा रहा है जिसमें विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों से आए प्राध्यापक और छात्र–छात्राएं भाग ले रहे हैं कार्यक्रम के शुभारंभ के समय दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय कृषि नीति के तकनीकी ज्ञान के संयोजक आर.सी. गोयल कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऑनलाइन डिजिटल माध्यम का उपयोग शिक्षा के प्रचार प्रसार में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है इसकी शुरुआत सर्वप्रथम सन 1985 में इस समय के तकनीकी इस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी द्वारा प्रारंभ की

गई थी जिसका उपयोग बैंकों में तथा रेलवे विभाग में सर्वाधिक दिखाई पड़ता है, उन्होंने कोविड–19 की महामारी के दौरान इसका अनुप्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में सर्वाधिक किए जाने पर भी अपने उद्‌गार व्यक्त किए प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में शिक्षा के प्रचार–प्रसार को वर्चुअल मोड में लाने के विषय विशेषज्ञों की सेवा उन महाविद्यालयों में भी जहां पर इनका अभाव रहता है। उन्होंने आगे इस कार्यशाला की प्रासंगिकता को विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत करने हेतु विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगणों को इस कार्यशाला में भाग लिए जाने की पहल की। मुख्य अतिथि श्री मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए डॉ. कपिल देव मिश्रा कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने भी शिक्षा के प्रचार–प्रसार वर्चुअल मोड में किए जाने पर बल दिया। साथ ही साथ कार्यक्रम के संयोजन डॉक्टर ए.पी. सिंह ने भी स्वागत उद्‌बोधन प्रस्तुत किया तथा कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मंचासीन अतिथियों द्वारा एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु लांच किया। यह दो दिवसीय कार्यशाला में कुल पांच तकनीकी सत्र रखे गए जिसमें आई. ए.एस.आर.आई., दिल्ली से पधारे विशेषज्ञ श्री उत्कर्ष, श्री सुमित एवं श्री विकास द्वारा छात्र छात्राओं को एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम की जानकारी दी तथा उन्हें प्रायोगिक तौर पर इस पर काम करना सिखाया।

विशेषज्ञों द्वारा प्राध्यापकों को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम एलुमनाई मैनेजमेंट सिस्टम तथा वर्चुअल क्लास ऑडियो तथा वीडियो द्वारा सिमुलेशन तकनीक के बारे में सिखाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण डॉ. एस.एस. तोमर, डॉ. जी.पी. लखानी, डॉ. सुनील नायक, डॉ. जी. दास, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. कारमोरे , डॉ. सोना दुबे तथा वेटरनरी कॉलेज जबलपुर, महू, रीवा तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक गण तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन सत्र में पंजीकृत 36 प्रतिभागियो को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस दो दिवसीय कार्यशाला को सफल बनाने में डॉ. ए.पी. सिंह, डॉ. गिरधारी दास तथा उक्त कार्यक्रम हेतु गठित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी द्वारा किया गया तथा आभार व्यक्त अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर